

सेक्स की प्यासी आंटी और दोस्त की बहन की साजिश-3

“दो दो चूतें मेरे सामने मुझसे चुदाने को तैयार थी
मगर चुदाई की कहानी बन नहीं रही थी कोई... पता
नहीं मेरे भाग्य में क्या है, मैं आंटी से सेक्स सोच रहा
था मगर इधर... ..”

Story By: दीप पाटिल (deeppatil)

Posted: बुधवार, जुलाई 5th, 2017

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [सेक्स की प्यासी आंटी और दोस्त की बहन की साजिश-3](#)

सेक्स की प्यासी आंटी और दोस्त की बहन की साजिश-3

दोस्तो, इस चुदाई की कहानी में अब तक आपने जाना कि नम्रता आंटी और अंजू दोनों ही मुझे पसंद करने लगी थीं।

अब आगे..

मैं घर आ गया और इतने में ही अंजलि का कॉल आया- रेडी हो.. तो जल्दी ही निकलते हैं.. मैंने उससे कहा- मुझे थोड़ी थकान सी लग रही है, तू किसी और को साथ ले जा ना.. मेरा जाना पॉसिबल नहीं है।

अंजलि बहुत रिक्वेस्ट करने लगी- प्लीज़ प्लीज़ तुम ही चलो ना.. अब इस टाइम पर किसको लेकर जाऊँ प्लीज़ दीप!

तो मैंने सोचा कि अभी तो जाना ही पड़ेगा, मेरी वजह से उसका प्लान खराब ना हो इसलिए मैंने उससे 'हाँ' कहा और अगले दस मिनट में वो आ गई।

फिर हम निकलने ही वाले थे तभी उसके पापा आए और उन्होंने मुझसे कहा- मेरी बाइक लेकर जाना और इसके चक्कर में मत आना.. जल्दी रात को लौट आना.. ये तुम्हें इमोशनल करके लेट करेगी।

अंकल ने बाइक की चाभी दी।

हम दोनों बाइक पर बैठे.. तभी मैंने बाइक के मिरर में देखा कि अंजलि किसी को तो हाथ से कुछ इशारे कर रही थी। तो मैंने मिरर को थोड़ा एडजस्ट किया और देखा तो वो आंटी को इशारे कर रही थी।

आंटी भी उसे बेस्ट ऑफ़ लक कर रही थीं..



यह देख कर मुझे कुछ अजीब सा लगा कि ये क्या चक्कर है.. समझ में नहीं आ रहा था।

मैं उसे लेकर जा रहा था, उस वक्त 7.40 हुए थे.. तो उस वक्त थोड़ा अँधेरा होने लगा था। अंजलि भी थोड़ी देर बाद मुझे चिपक कर बैठ गई तो मैं थोड़ा अजीब सा फील कर रहा था। आंटी ने जो ड्रेस अंजलि के लिए लिया था उसने वही ड्रेस पहना हुआ था। अंजलि क्या माल लग रही थी उस ड्रेस में.. इसमें उसकी असली फिगर दिखाई दे रही थी शायद 32-28-34 की थी।

मैं आपको बताना चाहता हूँ कि अंजलि दिखने में एकदम दूध जैसी गोरी है। उसकी आँखें बहुत ही नशीली हैं.. पर मैंने कभी उसे बुरी नजर देखा नहीं था, क्योंकि इस वक्त मुझे आंटी का भूत चढ़ा था।

मेरे साथ बाइक पर वो ऐसे बैठी थी कि सामने वाले देखते ही सोचते होंगे कि ये दोनों लवर हैं। वो अपना हाथ मेरे पीछे से आगे चेस्ट पर से कंधे पर पकड़ के बैठी थी। मैं भी बाइक स्लो चला रहा था।

फिर मुझे लगने लगा कि आंटी और अंजलि दोनों मेरे साथ कुछ गेम कर रही हैं। अब ये सोचते ही मैं भी थोड़ा पीछे होके बैठ गया और थोड़ी देर बाद अंजलि ने अपनी टोड़ी मेरे कंधे पर रख दी।

अह.. क्या बात दोस्तो.. क्या खुशबू महक रही थी.. मैं तो पागल हुआ जा रहा था। मेरा बाइक चलाने में ध्यान ही नहीं लग रहा था। पहली बार कोई इतनी सुंदर लड़की मुझसे चिपकी बैठी थी, ये सोच कर ही मैं मन ही मन में खुश हो रहा था।

सच कह रहा हूँ दोस्तों ऐसा लग रहा था कि लंगूर के हाथ अंगूर आ गया हो। वो इतनी खूबसूरत और मैं.. आह.. अपने बारे में क्या बताऊँ.. और क्या उसकी तारीफ करूँ।

फिर उसने मेरे कान में कहा- जो सामने होटल है ना.. वहाँ रुको, उधर से ही पार्टी है।



मैं वहीं रुक गया और बाइक पार्क कर दी। जब मैं पार्किंग से होटल जा रहा था, तभी देखा कि वो किसी और लड़के से गले लगकर बातें कर रही थी।

वो लड़का भी हैंडसम था तो मुझे थोड़ा बुरा लगा.. ऐसे लगा जैसे आसमान से जमीन पर गिरा हूँ और मुँह के बल गिरा हूँ।

मैं पास गया तो उसने उस लड़के से पहचान करवा दी- दीप, ये राज.. पुणे में ही रहता है और ये राज ये दीप है.. ये भी पुणे में ही रहता है।

राज ने मेरा पूरा नाम पूछा तो मैंने उसे बताया तो फिर उसने चौंकते हुए मुझसे पूछा- आपका यहाँ कैसे आना हुआ ?

मुझे कुछ भी समझ में नहीं आया तो मैंने उससे कहा- वाट्स इट्स मीन ?

तो उसने सारी कहा और कहा- आप मुंबई में क्या करते हो.. शायद मैं आपको जानता हूँ।

साथ ही उसने अपनी सोसायटी का नाम बताया तो फिर मुझे भी समझ में आया कि ये इतना शॉकड होकर क्यों बात कर रहा है।

उसने अंजलि से पूछा- तुम इनको कैसे पहचानती हो ?

अंजलि ने कहा- ये हमारे सामने रहने आए हैं.. पर क्या हुआ ?

उसने मेरी फैमिली के बारे में बताया कि इनकी फैमिली हमारे यहाँ फेमस है.. इनका नाम हमारे यहाँ पूछा जाए, तो कोई भी बता देगा तुझे कि ये कौन हैं।

मैंने उसकी बात काटते हुए कहा- क्या यार, दोस्त बन के आया हूँ यहाँ और तुम क्या लेकर बैठे हो.. चलो एन्जॉय करने आए हैं.. तो एन्जॉय करते हैं।

वो भी मुस्कुराते हुए बोला- हाँ सेठ, चलो।

आपको बताना चाहूँगा कि मुझे पुणे में बहुत से लोग पहचानते हैं, वो मुझे सेठ और भाऊ कहते हैं। मेरी फैमिली का नाम होने से वजह से तो मैं पुणे में छुट्टियाँ ना बिताते हुए मुंबई आ जाता हूँ। यहाँ मुझे कोई भी नहीं पहचान सकता क्योंकि मुंबई में तो मेरे से बड़े-बड़े



लोग हैं.. उनके सामने मैं मक्खी भी नहीं हूँ।

फिर हम सभी के अन्दर आते ही अंजलि ने सारे फ्रेंड्स से पहचान करवा दी। हम लोग हँसी-मजाक करने लगे.. अपने-अपने कॉमेडी सीन बताने लगे। फिर बाद में खाना आया.. खाने के बाद हम होटल से बाहर आए और आइसक्रीम खाने आ गए।

मैंने अंजलि से कहा- देखो 10.30 बजे हैं जल्दी चलो।

वो नाटक करने लगी- प्लीज़ और थोड़ी देर रुको न.. मैं फ्रेंड्स के साथ कभी इतनी देर बाहर नहीं रुकी, प्लीज़ आज तुम्हारे वजह से पापा ने छोड़ा है और लेट भी हुए तो वो आपको डांटेंगे नहीं प्लीज़..

तो मैंने भी उससे कहा- ओके पर सिर्फ और आधा घंटे.. इसके बाद चलना होगा। वो मान गई।

फिर 11 बज गए और हम लोग सभी से अलविदा करके वहाँ से निकले।

अंजलि ने पूछा- तुमने अपनी फैमिली के बारे में कभी नहीं बताया ?

मैंने उससे कहा- तुमने कभी पूछा भी नहीं।

तो हम दोनों हंसने लगे और अब हम दोनों इतने करीब आ गए कि हम दोनों भूल गए थे कि हम दोनों सिर्फ फ्रेंड्स हैं। ऐसे लग रहा था कि हम दोनों लवर हैं।

फिर हम दोनों होश में आए और अंजलि भी थोड़ी पीछे होकर नार्मल हो गई। हम सोसायटी में आ गए और अपने-अपने घर चले गए। उस रात में सिर्फ सोचता ही रहा शायद मुझे अंजलि से प्यार होने लगा था और मैं उसके बारे में बुरा भी नहीं सोच पा रहा था।

उस रात वो मेरे सपने में भी आई। फिर सुबह उठकर देखा तो मेरे मोबाइल पर अंजलि के 8



sms थे। मैंने जल्दी से पढ़ा और पढ़कर शॉक सा हो गया। उस sms में अंजलि ने मुझे प्रपोज किया था। मैं तो पागल हुआ जा रहता कि मेरे जैसे को इतनी खूबसूरत लड़की प्रपोज कर सकती है।

यह हिंदी चुदाई की कहानी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

यह सोच रहा था कि आंटी की आवाज आई। मैं ना चाहकर भी आंटी से बात करने लगा और उनको कहा- आंटी प्लीज़ आप यहाँ से आवाज मत दिया करो.. रुको मैं आपके नंबर पर कॉल करता हूँ।

वो नाराज होकर अन्दर चली गई।

मुझे भी थोड़ा बुरा लगा कि अंजलि के चक्कर में मैंने उन्हें हर्ट किया।

मैंने आंटी को कॉल किया तो उन्होंने कॉल रिसीव ही नहीं किया। मुझे लगा कि वो बाथरूम गई होंगी। इसलिए मैं भी बाथरूम गया, नहाकर आने के बाद उन्हें वापिस कॉल किया तो उन्होंने फिर रिसीव नहीं किया। मैंने 5-6 बार फोन लगाया, पर वही नतीजा निकला।

मैं जल्दी से उनके घर पर गया और दस्तक दी, पर उन्होंने डोर ही नहीं खोला।

अब मुझे भी थोड़ा बुरा लगा और मैं वहाँ से निकल कर घर आ गया और उनको sms किया 'सॉरी आंटी मैं नींद में था और आप जब भी आवाज देती हो तो लोग देखते हैं और आपके बारे में बुरा बोलते हैं.. इसलिए मैंने आपको कहा कॉल किया करो.. प्लीज़ मैं आपको हर्ट करना नहीं चाहता था। आपको चाहिए तो आप अभी आवाज दे दो, पर प्लीज़ कुछ बात कीजिए ना प्लीज़..'

फिर शाम को मैंने अंजलि को ये सब बताया और उस वक्त संदीप भी वहीं था।

उसने कहा- मैं देख लेता हूँ.. तुम टेंशन मत लो।



उस रात को संदीप ने उनको बहुत समझाया। फिर दूसरे दिन दोपहर को आंटी का कॉल आया तो मैंने जल्दी से उठाया और 'सॉरी' कहा तो वो हंसकर बोलीं- अरे वो जाने दो.. तुम मुझे बिरयानी सिखाने आ रहे हो ना ?

तो मैंने कहा- हाँ अभी नहाकर आता हूँ।

वो कहने लगीं- अरे बिरयानी बनाने के बाद फिर नहाना पड़ेगा तो ऐसे ही आ जाओ ना ?

तो मैंने 'हाँ' करके ब्रश किया और मुँह धोकर उनके पास चला गया। फिर आंटी को बिरयानी बनाने सिखाने लगा।

बिरयानी बनाते समय बहुत बार आंटी और मेरे बदन में चिपका-चिपकी होने लगी।

आंटी जानबूझ कर मुझे गर्म कर रही थीं... ये मुझे भी पता था.. पर मैं थोड़ा डर रहा था क्योंकि मैंने कभी सेक्स नहीं किया था। इसलिए मैंने बहुत सोचकर तेय किया कि आज कुछ भी हो जाए, पर मैं आंटी की चूत चोद कर ही रहूँगा।

फिर हम दोनों बिरयानी बना कर हॉल में सोफे पर बैठे थे, तभी आंटी ने कहा- गर्मी की वजह से मुझे पसीना आया हुआ है.. मैं नहा कर आती हूँ।

तो मैंने भी जानबूझ कर आंटी से कहा- हाँ और मैं भी घर से नहाके आता हूँ।

तो आंटी ने कहा- अरे रुक.. जब तक मैं नहाके आती हूँ तब तक तू गैस पर बिरयानी रखी है वो देख ले.. वरना जल जाएगी।

तो मैं किचन में ही रुका रहा क्योंकि वहाँ से बेडरूम का सब दिखता है।

शायद इसलिए आंटी ने मुझे किचन में रोक रखा था और वे इतनी होशियार थीं कि उन्होंने जानबूझ कर अपने बेडरूम का दरवाजा खुला रखा।

दस मिनट बाद मैं गैस बंद करके सीधे बेडरूम में आ गया और देखा कि आंटी ने तो बाथरूम का दरवाजा भी खुला रखा था।



अब मुझसे रहा नहीं और मैं बाथरूम के थोड़े खुले दरवाजे से अन्दर देखने लगा ।

मेरी पहली नजर ने ही मुझे पागल कर दिया... आंटी पूरी नंगी होकर नहा रही थीं और चूत पर साबुन लगा कर चूत धो रही थीं ।

फिर आंटी अपनी चूत को उंगली से सहलाने लगीं । थोड़ी देर बाद उन्होंने अपना दूसरा हाथ गांड पर रखा और एक उंगली अपनी गांड के छेद में डाल ली और 'उम्ह... अहह... हय... याह...' करने लगीं । इस तरह आंटी दोनों साइड से अपनी उंगलियों से चोद रही थीं ।

यह सब देख कर मेरे लंड की बुरी हालत हो रही थी । मैंने ट्रैक पैट पहनी हुई थी, उस वजह से मेरे पैट पर उभार सा बन गया था । मैं ऊपर से ही लंड को हिला रहा था.. फिर मुझसे कण्ट्रोल नहीं हुआ तो मैंने भी पैट से लंड निकाल लिया और हिलाते हुए अन्दर का नजारा देखने लगा ।

अब इस चुदाई की कहानी में मेरे लंड को खुराक मिलने की उम्मीद हो चली थी ।

आपको कुछ भी लिखने का मन हो तो प्लीज़ लिखिएगा ।

deep.patil808@gmail.com

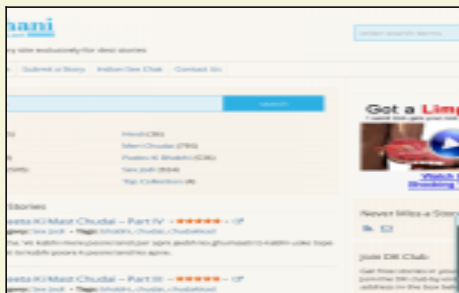
कहानी जारी है ।





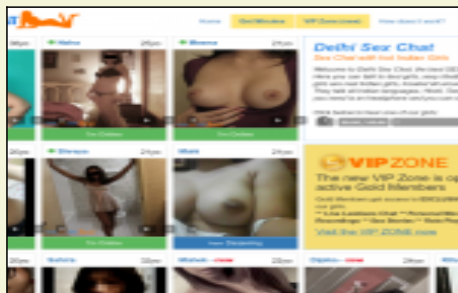
Other sites in IPE

Desi Kahani



India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Delhi Sex Chat



www.delhisexchat.com Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Suck Sex



www.sucksex.com Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

FSI Blog



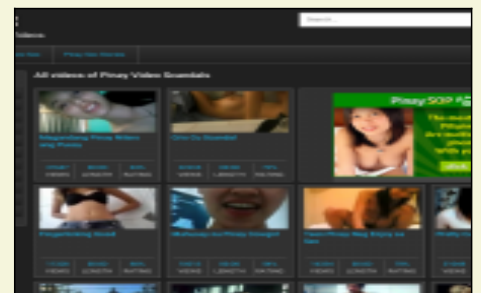
<https://www.freesexyindians.com/> Every day FSIBlog.com brings you the hottest freshly leaked MMS videos from India.

Indian Phone Sex



www.indianphonesex.com Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all indian languages

Pinay Video Scandals



<http://www.pinayvideoscandals.com/> Manood ng mga video at scandals ng mga artista, dalaga at mga binata sa Pilipinas.